%%A. D. 1190 ― 1435

%%or Śaka 1112 – 1357

%% p. 658

NO. 345

Lakshmī-Narasiṃha Temple at Simhāchalaṃ<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 1136; A. R. No. 356-F of 1899 )

Ś. 1296

(१।) स्वस्ति श्री ।। यञ्चारित्रं पुराणक्षितिपतिचरितस्पर्द्वि लोकेषु

पूज्यं यद्गात्र श्रीनिवासं यु-

(२।) व[ति]जनमनश्चंद्रकांतेंदुविवं [।] यत्कीत्ति[ः] स्वर्गगंगातटभुव

रमते सोयमाचंद्रतारं

(३।) पात्रश्रीधर्म्मदास स्सकलगुणनिधिः . वतात् भूतलेस्मिन् ।। श्रीशक-

वरुषंवुलु १२९६ गुनेंटि ज्येष्ट क्रिष्ण

(४।) त्रे(त्र)योदसियु गुरुवारमुनांडु<2> कलिंगपरीक्ष पात्रा(त्र)श्रीधर्म-

दासुजीयन सी(श्री)नरसिहनादु(थु)-

(५।) नि भंडारमंदु पद्मनिधि गंडमाडलु ४० पेटिरि ता कटिविन

द(ध)र्म्मद्वारनकु कोलुभंडटि-

(६।) वोडिगाकु रेंडु कुंचालु प्रसादमु एडादि जीतमु माड ओकटि

नित्यमुन्नु दी-

(७।) पानकु मान्य मान ओकटि ई द्वारनकु अयुदु एंडलनु ओकमाटु सुन्न-

(८।) मु पेटुनु इ तवट्टुनु वृत्ति गानु पडशेनु मारिन्नि गंडलु

पदाऋ माड.

<1. In the fiftieth niche of the verandah round the central shrine of this temple.>

<2. The corresponding date is the 8th June, 1374 A. D., Thursday, according to the Amānia system.>

%%p. 659

(९।) लु पेट्टि नित्यमुन्नु ओक दोंडवनमाल पेट्टनु रेंडु कुंचालु

प्रसादमु निभ(व)-

(१०।) ं[ध]समस्यगानु अं(अ)प्पालू विडियालु एडादिजीतमु चिन्नालु ८ इंतवट्ट‒

(११।) कुन्नु ई पहिडिलोन पदि माडलु १० तोंटगट्लकु आऋ माडलु ६ ।

ईप्रसादमु-

(१२।) न्नु तोंटगट्लुन्नु चित्तरमहामंड्ले डु चिगुसाहसमल्लुनि

मूलमुन अनवाल अ-

(१३।) न म[न्नु] वुमि पूराइ नित्यमुनं धूपकालमंदु दोंडवनमाल

नलुमूडलु ४ तेच्चि पे

(१४।) टंग्गलारु ई धर्म्म आचंद्रार्क्क च्छ(स्था)इगा चेल्ल गालदु

श्रीवैष्णव रक्ष । ई धर्म्ममु एव्वरेनि

(१५।) इरिंतुरु वारि शिरस्सुन श्रीविष्णुचक्रमु पड[ं]गलदु ।

ई [ध]र्म्ममु एव्वरेनि हरिंतुरु वारि ए-

(१६।) {ए}डु पुरुषांतरमुलवारु [अ]धोगतिं वडुदुरु ई पात्र धर्म्मदासजीयन

सप्त[पु]र्षात-

(१७।) र भुलवारु सदुगति[ं] वोहुरु श्री श्री श्री [।।]